

ARCHIVES

528

PROV. H. H. H.

1750-1751  
1752-1753  
1754-1755



[illegible]

ॐ सीसा केरुं सिता माहं सिता ॥  
~~कचरी केरुं~~ पचरी माहं पचरी ॥  
 वाई तुल वाई सु गोला को बलती वसाह  
 मलती वसाह नसाही नाहं ई ल्यरी नम  
 रंगी गोरा पार वती माहा देव की वाचा लागे ॥  
 ह की वाचा उं माहं कृत व्यादा — धार ?  
 वाई दिवा न्या लाई कुकुने मंगु दे — ७



३० पक्ष ट कुजा परोही चरी आई गाछुं गाजा मो  
ट दावा ई अषी गाछा ई वर्षा त ई प्यरी गोरा  
पार वती माहादेउ वाचा सते गुरु की वाचा  
आवे गो ट ७ वेची कुवा धार  
ई प्यर नव हं गी गोदा पार वाता माहादेउ की वाचा

३० ताले पताते तीरी वा वरी चरी थुरी नानाई व  
वाहा वात प्यो कियामेन

३० ओझी गुरु आ गया ३० मसी व ती व प  
वाला ती व ओई सात गुरु वी धे गुरु गोम  
३॥ वरानी ले सीदे वी येता गा सैम धे ता लाद  
दे वी मिट सैम ॥ ३ राजी कुकी कजा लमा ३  
राजी पकी कुकु कुकुलीत गया को मया जई  
तह गया को मया तापनी वही नगाया को मया ता  
पनी लागाई



ॐ नमो सीधी गुरु आर्या इले इले हिं कृष्णा  
धोमन्त्रन उधी चानप्या थल की उधी मा  
ॐ ये की सीका को थये

ॐ नमो सीधी गुरु आर्या इले इले हिं कृष्णा

ॐ नमो सीधी गुरु आर्या इले इले हिं कृष्णा

ॐ नमो सीधी गुरु आर्या इले इले हिं कृष्णा

ॐ तत्र ये सा इ त्रये पुलं न स्यात्  
उला स लष ज्य लपा मी ली तोन के  
थन के उये के बोला यह आहुल पा इ  
पुलं गम इ तो रती पानी महु ई  
ॐ हीं ली धी वज्र जोगी नी आका ल चार नी  
ये अम क वल मा नाये ॐ हीं स्यात्  
अमी श्री गुरु ब सोत के वले ई धी ॥ ७



१५ भाग्य का जल

ॐ हस्तपाणी नी स्याहा ॥ धमन कले धारयाय ।  
पाले स्याडरु न्ना स धानवे नये चान्द्र  
नये चान्द्र पा र्धरा पा ये ला नी गेलो १

ॐ मोहि धी गुरु भाग्यो ॐ काली काली  
माहा काली समेत काली कंक ल्या हा ॥  
चाचा मदी ल लदे लदे माहा काम कंक  
स्याहा काली गुरु काली गुरु कंक कत ।

कव-य

धार २९ गनी ज्ञानला माका वारा हनु  
पान्द्र गाथी २९ ज्यल पाडन न धमन का  
ये सुनान दु पातला पातला मगे लक गेलो

ॐ ह्रीं ह्रीं कंक ल्याहा धार ३ अदुत ज्यल पान  
होले ये गरी ला स सुपा भयं दु धनता भये महु

देव ज्ञान



ॐ ॐ माहा वासा-ची सीनी सद्यो लाये नी कृत  
ध लाये ॐ ॐ ज्या हा धार ॥ सत य व वं

ध जी क ली थोणी नी इव च वं  
थोमंत्र अहं तज्य लपा व पुक ये दे

बोधे के स ला जी ने

१

ॐ चामुद्राचरी २ हेवी मम सत्रु नास ये  
वरवा नी २ गृ प्रा यय २ ॐ कृत

धार १ लवज्य पाजेले सत्रु नास

१ ॐ चोरि के-चोरी थाव जी के  
वाद्या धारी २ ॐ कृत त्या हा चोर त मु  
लमंत्र



आम्र काथ

528

AMR KAATH



क ल ल ल ल धाट ३ अंके

ये जे उदी लाई कोने सुखा

॥ अये मनु — ॥ ३ ॥ ३

३० म हा पासा पीनी अद्यो ला ये नी कर  
धला ये क क ल्या हा धाट ५ ॥ ज्य लये  
लत म्मा कं ची कली नी उन च के को मर  
अंके त ज्य ल पा न मये के दे वा ये के म्म  
म म्मा जी ने — — — — —

३० क ल्य पीनी ३० क ल्या पी नी ल्य हा

थम नये गये तले धाट बाय

पोले म्मा डड काल थान के जोर पाये

नये पा न य ला न के डड — — — ३

३० ईमी नी धा मी नी सरा मी लु ल्या हा नाना

कन च ल्या हा त दे व नी हा हा त दे दो हा

जाना गो प्राप्ता का पना गु म्मा वा धा



३ ती लये व व पा मो दे या ये मु बु ली ल  
नमा प्रका या न हा स था न के जु लो

भी गरो साये मो ॥ ४० धर ती गर मा ई  
दे ही गर मा ई कुल गर मा ई हा मरा  
दे ही गी मा ई कपत गी मा ई सा था न  
म दे ली दे की को पा चा हा मरा के ल जो  
हो उला का के ल जो हो मो हनी जो हो

श्री ईश्वर मन कुं दे दे की को वा चा  
मु क्त हो जो हो हा ल जो हो के ल ही या नु की  
जो हो सा दा त न ल ज मु ना दे की को वा चा  
र म र म र म पु ल की वा चा इ गु ला की  
उ ल की वा हा आ त न उ लो क की वा  
ई इ ल की नी की वा दा



नजर स्पष्टी नी की वाचा नजर  
गुह गिराउं वाचा ३ गी चा पांगु  
की वाचा ३ गुहा गा ला कही रा  
मोह नी कही रा ० पवरी वराउं  
साध्या न कु ल्य र गुरु की वाचा







